उत्तराखंड फोरेस्ट्री ट्रेनिंग अकेडमी, हल्दवानी (नेनीताल) के 41 फारेस्ट रेंज ऑफिसर्स प्रशिक्षणार्थियों का आफरी (दिनांक-12/03/2021)

दिनांक-12/03/2021 को उत्तराखंड फोरेस्ट्री ट्रेनिंग अकेडमी, हल्दवानी (नेनीताल) के 41 एफ.आर.ओ. प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ. सी. के. कविदयाल सी.एफ. (रिटायर्ड) के नेतृत्व में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान का भ्रमण कर शोध कार्यों की जानकारी ली ।

भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) डॉ.जी. सिंह ने दल का संस्थान में स्वागत करते हुए शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की गतिविधियों के बारें में जानकारी दी।

इसके पश्चात विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष, डॉ. तरुण कान्त ने संस्थान का परिचय देते हुए संस्थान की गतिविधयों को पावर पांइट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ. तरुण कान्त ने अपने प्रस्तुतीकरण में अनुसंधान हाइलाईट्स (Research highlight)- सतही वनस्पति द्वारा टिब्बा स्थिरीकरण पौधों की स्थापना एवं वृद्धि हेतु मृदा एवं जल संरक्षण, अवक्रमित पहाड़ियों के पुनर्वासन, शुष्क क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी मॉडल्स व विकास, एग्रीसिल्वी एवं सिल्वीपाश्चर मोडल, लवणीय भूमि का पुनर्स्थापन, जल प्लावित भूमि का पुनर्स्थापन, पौधारोपण सामग्री का सुधार (planting stock improvement), नीम एवं अरडू के लिए सुधार कार्य (Improvement work on Neem & Ardu), रोहिड़ा एवं मलाबार नीम, गुगल का संवर्धन एवं उत्पादन, विकसित वेजिटेटिव प्रोपेगेशन प्रोटोकॉल्स (develops vegetative propagation protocols), उत्तक संवर्धन विधियां (Tissue culture protocol), औषधीय पादप गुग्गुल के लिए उत्तक संवर्धन विधियें (Tissue culture protocols for medicinal plants - *Commiphora wightii*), कैर का सूक्ष्म प्रवर्धन (Micropropagation of *Capparis decidua*), विकसित तकनीकों इत्यादि के बारें में विस्तृत जानकारी आर.एफ.ओ. प्रशिक्षणार्थियों दी गई।

तत्पश्चात प्रशिक्षणार्थियों के दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहां प्रदर्शित विभिन्न शोध गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं का अवलोकन किया। यहां श्री धाना राम, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं श्री अनिल सिंह चौहान, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने केन्द्र में प्रदर्शित विभिन्न शोध सम्बन्धी सूचनाओं एवं सामग्री के बारें में भ्रमणकारी प्रशिक्षणार्थियों को जानकारी दी।

इसके बाद वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों के दल को संस्थान की उच्च तकनीक प्रायोगिक पौधशाला का भी भ्रमण करवाया। जहां पर प्रशिक्षणार्थियों ने मदरबेड, कंटेनर, रूट ट्रेनर, कंपोस्टिंग, इत्यादि पहलूओं का अवलोकन किया। अधिकारियों के दल को केक्टस गार्डन व औषधीय पौधों के जर्म प्लाजम बैंक में विभिन्न औषधीय पौधों के बारें में अवगत कराया गया।

भ्रमण की कुछ झलकियां